University in News on 20 March 2020

AMAR UJALA

ग्रांट मिली तो वर्चुअल क्लास रूम का काम शुरू

यूजीसी ह्यूमन रिसोर्स सेंटर को रूसा से मिले एक करोड़, लेक्चर की होगी रिकॉर्डिंग ऑनलाइन पढ़ाई की भी व्यवस्था

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों को जल्द ही वर्चुअल क्लास रूम की सुविधा मिलेगी। यहां शिक्षक अपने विद्यार्थियों के लिए लेक्चर रिकॉर्ड कर सकेंगे और विद्यार्थियों को लाइव पढ़ा सकेंगे। वहीं विद्यार्थी ऑनलाइन ही अपने शिक्षकों से सवाल-जवाब भी कर सकेंगे। यह संभव होगा विश्वविद्यालय में चल रहे यूजीसी के ह्यूमन रिसोर्स डवलपमेंट सेंटर में बनने वाली वर्चुअल क्लास रूम से। इसके लिए विश्वविद्यालय को रूसा से एक करोड़ की ग्रांट मिल गई है और इस पर काम भी शुरू हो गया है।

हाल में कोरोना वायरस के बढ़ते प्रभाव के कारण लखनऊ विश्वविद्यालय समेत सभी विश्वविद्यालयों में कक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। ऐसे में ऑनलाइन टीचिंग-लर्निंग की जरूरत भी महसूस हो रही है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के ह्यूमन रिसोर्स सेंटर में वर्चुअल क्लासरूम डवलप करने की कवायद भी तेज हो गई है। पूर्व में भी इसकी कवायद शुरू की गई थी किंतु किन्हीं कारणों से यह पूरी नहीं हो सकी थी। सेंटर निदेशक प्रो. निशी पांडेय ने बताया कि वर्चुअल क्लासरूम के लिए पहले चरण में रूसा के तहत एक करोड़ रुपये मिले हैं। इससे वर्चुअल क्लास रूम का काम शुरू हो गया है। यूपीडेस्को को इसकी जिम्मेदारी दी गई है। वह एक पोर्टल डवलप करेगा, जिसमें सॉफ्टवेयर के माध्यम से ऑनलाइन टीचिंग की सुविधा दी जाएगी। उन्होंने बताया कि सेंटर में 30 कंप्यूटर की एक लैब पहले से है, जिसे नए सॉफ्टवेयर के माध्यम से अपग्रेड किया जाएगा। इससे शिक्षक एक साथ कई कॉलेजों को जोड़कर क्लास ले सकेंगे।

यहां स्मार्ट बोर्ड भी है, जिससे ऑनलाइन टीचिंग की जा सकती है। वेब कैम से जुड़ने के बाद संबंधित कॉलेजों के विद्यार्थी अपने सवाल भी रख सकेंगे। सेंटर में एक स्टूडियो भी है। जो शिक्षक चाहेगा वह अपने लेक्चर की रिकॉर्डिंग कर सकेंगे। इसे वेबसाइट पर अपलोड किया जा सकेगा। सेंटर समय-समय पर अन्य विश्वविद्यालयों के शिक्षकों को भी ट्रेनिंग देता है। उन्हें भी इस सेंटर के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि लगभग एक महीने में इसका पूरा काम हो जाएगा और यह संचालित हो जाएगा। इसके शुरू होते ही इसे विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए खोल दिया जाएगा।

एलयू ने बनाया एक और सेनेटाइजर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (रसायन विज्ञान विभाग) ने बृहस्पतिवार को हैंड सेनेटाइज सेनएफओई तैयार किया है। विभाग के डॉ. आरपी सिंह ने बताया कि इथाइल अल्कोहल, एलोवेरा जेल, गुलाब जल और आसुत जल का प्रयोग करते हुए इसका निर्माण किया गया है। इसका प्रयोग संकाय के सभी शिक्षक-कर्मचारी कर रहे हैं। डॉ. हिमांशु पांडेय ने कहा कि बाजार में मिल रहे हैंड सेनेटाइजर में केमिकल का प्रयोग हो रहा है। उसकी अपेक्षा ये त्वचा के लिए ज्यादा सुरक्षित है। इसे बनाने में डॉ. अनुपम त्रिपाठी, प्रो. आरएस गुप्ता, डॉ. शशिबाला, डॉ. सिद्धार्थ सिंह का भी सहयोग है। बता दें कि एक दिन पहले ही रसायन विज्ञान विभाग के ही प्रो. एनके खरे के नेतृत्व में शिक्षकों की टीम ने एक सेनेटाइजर बनाया था।

HINDUSTAN LIVE

बीएड प्रवेश परीक्षा टली 22 अप्रैल को संभावित

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय ने संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड-2020 को स्थगित कर दिया है।

परामर्शदात्री समिति की गुरुवार को हुई आकस्मिक बैठक में यह फैसला लिया गया। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि बैठक में निर्णय लिया गया कि कोरोना वायरस की भयावह स्थिति को देखते हुए 08 अप्रैल को होने वाली बीएड प्रवेश परीक्षा स्थगित की जाती है।

संशोधित सम्भावित तिथि 22 अप्रैल निश्चित की गयी है । इसमें फेरबदल भी संभव है।

डॉ. दुर्गेश ने कहा कि अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि आगे की सूचना के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट www. lkouniv. ac. in को देखते रहें । वेबसाइट पर सभी सूचनाएं समय से प्रसारित की जाएंगी जिससे छात्र-छात्राओं को जानकारी मिलेगी।

लखनऊ विवि के प्राणि विज्ञान विभाग की प्रोफेसर डॉ अमिता कनौजिया भी गौरैया के संरक्षण के लिए प्रयासरत हैं।

लखनऊ में लगातार बढ़ रही है गौरैया की संख्या

अच्छी खबर

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

20 मार्च को हर साल गौरैया संरक्षण दिवस मनाया जाता है। लखनऊ विवि के प्राणि विज्ञान विभाग की प्रोफेसर डॉ अमिता कनौजिया ने बताया कि छह सालों में गौरैया की संख्या चार गुना बढ़ गई है।

2013 में केवल 2503 पक्षियों की संख्या दर्ज की गई थी। साल दर साल हमने संख्या में सकारात्मक बढ़ोत्तरी दर्ज की। यूपी में गौरैया की तीन प्रजातियां पाई जाती हैं जिनमें पासेर डोमेस्टिकस, इंडिकस पासेर, डोमेस्टिकस बैक्ट्रीएनस, पासेर डोमेस्टिकस पार्किनी शामिल हैं। स्टेट ऑफ इंडिया बर्ड्स 2020 रिपोर्ट में कहा गया है कि गौरैया की स्थिति लगभग स्थिर है।

यूपी में गौरैया की स्थिति पर शोध कर चुके डॉ अखिलेश कुमार ने बताया कि घरों में कंकरीट ढांचा बढ़ने से पक्षी नहीं आते पर आप मिट्टी के बरतन में चावल, बाजरा, काकुन और इन सभी का मिश्रण रख सकते हैं। हमारे शोध में ये निष्कर्ष निकल कर आये थे कि गौरैया सर्दियों में बाजरा और गर्मियों में काकुन खाना पसंद करती है। एक बरतर में पानी भी भर कर रखें, इससे चिड़िया फिर एक बार आपके आंगन में फुदकने लगेगी।

ये है हाल

वर्ष	गौरैया की संख्या
2014	3362
2015	5637
2016	6036
2017	7074
2018	8654
2019	11575
2020	16324